प्राचार्य का संदेश

प्रो. लक्ष्मीकांत शर्मा

प्रिय विद्यार्थियों,

" हे मातु वीणावादिनी ,हर शब्द को श्रंगार दे। मैं हूँ अकिंचन नत-नयन, हर वर्ण को विस्तार दे।
रस, छंद , लय ,वरदान दे ,झंकार भर उर शारदे। साकार कर हर स्वप्न् को ,दे ज्ञान मुझको शारदे॥ "

राजकीय महाविद्यालय गोविंदगढ़ (अलवर) की स्थापना सत्र 1998 में कला संकाय में 4 विषयों (हिंदी,संस्कृत, राजनीति विज्ञान, अर्थशास्त्र) के साथ हुई | वर्तमान में महाविद्यालय में स्नातक स्तर पर हिंदी, राजनीति विज्ञान, संस्कृत, अर्थशास्त्र, इतिहास, भूगोल विषयों में अध्ययन करवाया जा रहा है। साथ ही वर्ष 2017 से यहां स्नातकोत्तर डिग्री में हिंदी व राजनीति शास्त्र विषय में अध्ययन की सुविधा है। महाविद्यालय स्वयं के निजी भवन में स्थायी रूप से संचालित है |

विद्यार्थियों की सुविधा हेतु महाविद्यालय में परिपूर्ण पुस्तकालय, स्मार्ट क्लास रूम,सेमिनार हॉल ,सुसज्जित कक्षा - कक्षों के अतिरिक्त इसी सत्र से एक नवीन कैंटीन भवन का निर्माण भी करवाया गया है।

महाविद्यालय में नई शिक्षा नीति सत्र 2023-24 से प्रारम्भ कर दी गई है | हमारा महाविद्यालय राज ऋषि भर्तृहरि मत्स्य विश्वविद्यालय, अलवर से सम्बद्ध है | वर्तमान में महाविद्यालय में प्रथम वर्ष कला के लिए 500 सीट है जिन पर आयुक्तालय कॉलेज शिक्षा राजस्थान, जयपुर द्वारा निर्धारित प्रवेश नीति के अनुसार प्रवेश प्रक्रिया संपादित की जाती हैं | प्रवेश हेतु निर्धारित अवधि में योग्यताधारी अभ्यर्थी को ऑनलाइन आवेदन करना होता हैं | प्रवेश मेरिट के आधार पर मिलता है | विश्वविद्यालय परीक्षा में बैठने के लिए विद्यार्थी की उपस्थिति न्यूनतम 75% अनिवार्य है |

प्रवेशित विद्यार्थियों के लिए महाविद्यालय में वर्षपर्यन्त अध्ययन के साथ-साथ अपने व्यक्तित- विकास हेतु विभिन्न प्रकार की गतिविधियों का संचालन किया जाता है | विद्यार्थियों को विभिन्न प्रकार की सूचनाओं से अवगत कराने के उद्देश्यों से कक्षावार व्हाट्सएप ग्रुप्स , टेलीग्राम ग्रुप,महाविद्यालय द्वारा बनाए हुए है | विद्यार्थियों से अपेक्षा की जाती है की सोशल मीडिया के इन ग्रुप्स में सम्मिलित होकर इन पर प्रेषित सूचनाओं से स्वयं को अपडेट रखे | महाविद्यालय में स्थापित महिला प्रकोष्ठ द्वारा अध्ययनरत छात्राओं के लिए विभिन्न प्रकार की गतिविधियों का आयोजन करवाया जाता है | इसके साथ–साथ महाविद्यालय में छात्र - छात्राओं से प्राप्त शिकायतो को गंभीरतापूर्वक लिया जाता है तथा शिकायत के त्वरित समाधान के लिए ICC सेल,Anti Raging Cell कार्यरत है | महाविद्यालय में विद्यार्थियों के हितो को ध्यान मे रखते हुए प्लेसमेंट सेल का भी गठन किया गया है | खेलो पर भी महाविद्यालय मे पर्याप्त ध्यान लिखा जाता है।

मेरी नजर में गोविंदगढ़ एक कस्बा मात्र नहीं है यह भविष्य के एक विकसित नगर के रूप में उभर रहा है, जिसमे प्रतिभाओं की कमी नहीं है | बस आवश्यकता है इन्हें तलाशने की-तराशने की | यह कार्य महाविद्यालय में कार्यरत शिक्षको द्वारा पूरी निष्ठा, मेहनत और लगन के साथ किया जाता है |

महाविद्यालय में अनुभवी प्राध्यापकों के निर्देशन में, राष्ट्रीय सेवा योजना की दो इकाईयां संचालित की जाती हैं , जिनकी प्रवेश क्षमता 200 विद्यार्थी है। आप इनमें प्रवेश लेकर अपने व्यक्तित्व का सर्वांगीण विकास कर सकते हैं।

महाविद्यालय में विभिन्न प्रकार की छात्रवृत्तियों की सुविधा भी उपलब्ध है | विद्यार्थी इस हेतु समाचार पत्रों, टेलीग्राम ग्रुप्स का अवलोकन करते रहे तथा उपयुक्त छात्रवृत्ति हेतु ऑनलाइन आवेदन करे |

महाविद्यालय आपको अपने भविष्य को संवारने हेतु तैयार करने का पूर्ण अवसर प्रदान करता है | साथ ही आपसे अपेक्षा भी रखता है कि आप अपनी कक्षाओं में लगन के साथ नियमित रूप से अध्ययन करे, अपने आप को अनुशासित रखे तथा महाविद्यालय में आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लेकर अपने व्यक्तित्व का विकास करे |

मैं ,अपने सभी संकाय सदस्यों के साथ आपके सफल एवं उज्ज्वल भविष्य की कामना करता हूँ। इन पंक्तियों के साथ आप सभी का महाविद्यालय में स्वागत है - **सूरज उतरकर धरा पर खुद दीप जलाने आया है , स्मृति पथ के मंदिर में यह नेह नवल बरसाया है। भाव भीनी आशीषों से हम सबका हृदय हर्षाया है .....** शुभकामनाओं सहित।

जय हिन्द जय भारत ! **(प्रो० लक्ष्मीकांत शर्मा)**

GOVT COLLEGE GOVINDGARH